अनुक्रमांक :
नाम :

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 08

102 2026 302 (BL)

सामान्य हिन्दी

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट

पूर्णांक : 100

सामान्य निर्देश :

i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

खण्ड – 'क'
(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. क) भारतेन्दु युगीन लेखक हैं : (1)

A) रायकृष्ण दास

B) चतुरसेन शास्त्री

C) किशोरीलाल गोस्वामी

D) वियोगी हरि

ख) हिन्दी का पहला पत्र है : (1)

A) प्रजा हितैषी

B) उदन्त मार्तण्ड

C) बनारस अखबार

D) बंगदूत

ग) रामचन्द्र शुक्ल लिखित कहानी है : (1)

A) ग्राम

B) दुलाईवाली

C) इन्दुमती

D) ग्यारह वर्ष का समय

UPBoardHub

घ) 'कालिदास की निरंकुशता' रचना की विधा है : **(1)**

A) आलोचना साहित्य

B) संस्मरण

C) आत्मकथा

D) जीवनी

ङ) 'प्रेमसागर' के लेखक हैं : **(1)**

A) सदल मिश्र

B) रामप्रसाद निरंजनी

C) लल्लू लाल

D) सदासुख लाल

2. क) 'निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल' यह कथन है : **(1)**

A) महावीर प्रसाद द्विवेदी का

B) भारतेन्दु हरिश्चंद्र का

C) प्रेमघन का

D) प्रतापनारायण मिश्र का

ख) 'त्रिपथगा' काव्यकृति के रचनाकार हैं : **(1)**

A) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

B) महादेवी वर्मा

C) मैथिलीशरण गुप्त

D) जयशंकर प्रसाद

ग) सुमित्रानन्दन पन्त की रचना है : **(1)**

A) ग्राम्या

B) अनामिका

C) कानन – कुसुम

D) विष्णुप्रिया

घ) 'सप्तक' के कवियों को 'राहों का अन्वेषी' कथन है : **(1)**

A) गिरजाकुमार माथुर का

B) भारतभूषण अग्रवाल का

C) रामविलास शर्मा का

D) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' का

UPBoardHub

ङ) जयशंकर प्रसाद की कृति नहीं है : (1)

A) झंकार

B) झरना

C) आँसू

D) स्कंदगुप्त

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **(5 × 2 = 10)**

पृथ्वी और आकाश के अन्तराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सब के प्रति चेतना और स्वागत के नये भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र-नवयुवकों के हृदय में उन सब के प्रति जिज्ञासा की नई किरणें जब तक नहीं फूटतीं तब तक हम सोए हुए के समान हैं।

विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का नया ठाट खड़ा करना है। यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह और अथक परिश्रम द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए! हमारा यह ध्येय है कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रीता न रहे।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) राष्ट्रीय चेतना में भौतिक ज्ञान – विज्ञान के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

iv) लेखक ने राष्ट्र की सुप्त अवस्था कब तक स्वीकार की है ?

v) विज्ञान और श्रम के संयोग से राष्ट्र प्रगति के पथ पर कैसे अग्रसर हो सकता है ?

अथवा

पुष्पित अशोक को देखकर मेरा मन उदास हो जाता है। इसलिए नहीं कि सुन्दर वस्तुओं को हतभाग्य समझने में मुझे कोई विशेष रस मिलता है। कुछ लोगों को मिलता है। वे बहुत दूरदर्शी होते हैं। जो भी सामने पड़ गया, उसके जीवन के अन्तिम मुहूर्त तक का हिसाब वे लगा लेते हैं। मेरी दृष्टि इतनी दूर तक नहीं जाती। फिर भी मेरा मन इस फूल को देखकर उदास हो जाता है। असली कारण मेरे अन्तर्यामी ही जानते होंगे, कुछ थोड़ा–सा मैं भी अनुमान कर सकता हूँ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) इस गद्यांश में लेखक ने स्वयं के विषय में क्या कहा है ?

iv) प्रस्तुत गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

v) 'अन्तर्यामी और दूरदर्शी' शब्दों के अर्थ लिखिए।

UPBoardHub

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (5 × 2 = 10)

यही आता है इस मन में,
छोड़ धाम-धन जाकर मैं भी रहूँ उसी वन में।
प्रिय के व्रत में विघ्न न डालूँ, रहूँ निकट भी दूर,
व्यथा रहे, पर साथ-साथ ही समाधान भरपूर।
हर्ष डूबा हो रोदन में,
यही आता है इस मन में।

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) उपर्युक्त पद्यांश में कौन-सा रस प्रयुक्त हुआ है ?

iv) 'रहूँ निकट भी दूर' से क्या अभिप्राय है ?

v) उपर्युक्त पद्यांश का काव्य सौन्दर्य लिखिए।

अथवा

मैं नीर भरी दुख की बदली !
स्पंदन में चिर निस्पंद बसा,
क्रंदन में आहत विश्व हँसा,
नयनों में दीपक से जलते,
पलकों में निर्झरिणी मचली !

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) 'नयनों में दीपक से जलते' में कौनसा अलंकार प्रयुक्त हुआ है ? स्पष्ट करें।

iv) कवयित्री के निरन्तर रुदन का क्या कारण है ?

v) उपर्युक्त पद्यांश में कवयित्री ने स्वयं को क्या बताया है ?

5. क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (3 + 2 = 5)

i) वासुदेव शरण अग्रवाल

ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

iii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

iv) डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

UPBoardHub

ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (3 + 2 = 5)

i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

ii) महादेवी वर्मा

iii) जय शंकर प्रसाद

iv) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

6. 'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। (5)

अथवा

'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (5)

क) i) 'मुक्ति यज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।
ii) 'मुक्ति यज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

ख) i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'आखेट' सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।
ii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र चित्रण कीजिए।

ग) i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के पञ्चम सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।
ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र चित्रण कीजिए।

घ) i) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।
ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र चित्रण कीजिए।

ङ) i) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए।

च) i) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।
ii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

UPBoardHub

खण्ड – 'ख'

8. क) दिये गये संस्कृत गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : (2 + 5 = 7)

इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते। इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति। ततः सुष्ठुक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती' इति।

अथवा

हंसराजः तस्यै वरं दत्त्वा हिमवति शकुनिसङ्घे संन्यपतत्। नानाप्रकाराः हंसमयूरादयः शकुनिगणाः समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले संन्यपतन्। हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकम् आगत्य वृणुयात् इति दुहितरम् आदेश।

ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : (2 + 5 = 7)

जलबिन्दुनिपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।
स हेतुः सर्वविद्यानां धर्मस्य च धनस्य च।।

अथवा

अभूत् प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजन इव ग्राम्यसदसि।
क्षणं क्षीणास्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः
न दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः।।

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : (1 + 1 = 2)

i) अपना ही राग अलापना –

ii) लोहे के चने चबाना –

iii) घी का लड्डू टेढ़ा भला –

iv) समर्थ को नहीं दोष गोसाईं –

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का ह्रास तो हो रहा है, हम लक्षय भ्रम से भी पीड़ित हैं। विकास के विराट उद्देश्य से पीछे हट रहे हैं, हम झूठी तुष्टि के तात्कालिक लक्षयों का पीछा कर रहे हैं। मर्यादायें टूट रही हैं। नैतिक मानदण्ड ढीले पड़ रहे हैं। व्यक्ति केन्द्रिकता बढ़ रही है। स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहा है। भोग की आकांक्षाएँ आसमान को छू रही हैं। उपभोक्ता संस्कृति हमारी सामाजिक नींव को हिला रही है।

i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए। **(1)**

ii) उपभोक्ता संस्कृति का अर्थ स्पष्ट कीजिए। **(2)**

iii) 'लक्षय भ्रम से पीड़ित' क्यों हैं ? **(2)**

अथवा

अथवा

जीवन की अनन्तता का प्रतीक ..... वह झरना उन अनूठे ..... अनूठे क्षणों में मुझमें जीवन की शक्ति का अहसास हो रहा था। इस कदर प्रतीत हुआ कि जैसे मैं स्वयं भी देश और काल की सीमाओं से दूर बहती धारा में बहने लगा हूँ। भीतर की सारी तामसिकताएँ और दुष्ट वासनाएँ इस निर्मल धारा में बह गईं। मन हुआ कि ऐसे ही अनन्त समय तक बहता रहूँ ..... सुनता रहूँ झरने की पुकार को।

i) 'झरना' को किसका प्रतीक कहा गया है ? **(1)**

ii) प्रकृति के उस अनन्त स्वरूप को देखकर लेखक को कैसी अनुभूति होती है ? **(2)**

iii) रेखांकित अंश का भाव स्पष्ट कीजिए। **(2)**

11. क) निम्नलिखित शब्द–युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : **(1 + 1 = 2)**

i) भवन – भुवन

A) जगत – निर्जन B) घर – संसार

C) ग्रह – गृह D) इनमें से कोई नहीं

ii) अम्ब – अम्बु

A) माता – पानी B) जल – जननी

C) जलद – नीरज D) इनमें से कोई नहीं

ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : **(1 + 1 = 2)**

i) अनल

ii) विधि

iii) नीरज

iv) सुरभि

ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द चुनकर लिखिए : **(1 + 1 = 2)**

i) कम बोलने वाला –

A) वाचाल B) बहुभाषी

C) मितभाषी D) इनमें से कोई नहीं

ii) जिसका कोई रक्षक न हो –

A) अनभिज्ञ B) अनाथ

C) सनाथ D) इनमें से कोई नहीं

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो काव्यों को शुद्ध करके लिखिए : (1 + 1 = 2)

i) यह पुस्तक देवेश ने लिखा।

ii) आज मेरा बड़ा भाई आ गया।

iii) मैं अभी अभी खाना खाने को बैठा।

iv) उपरोक्त कथन सही है।

12. क) 'वीर' अथवा 'शान्तरस' का लक्षणसहित एक उदाहरण लिखिए। (1 + 1 = 2)

ख) 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षणसहित एक उदाहरण लिखिए। (1 + 1 = 2)

ग) 'दोहा' अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षणसहित एक उदाहरण लिखिए। (1 + 1 = 2)

13. दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर संबंधित कालेज में लिपिक के पद पर अपनी नियुक्ति हेतु प्रबन्धक को आवेदन पत्र लिखिए, जिसमें अपनी शैक्षणिक योग्यता का भी उल्लेख हो। (2 + 4 = 6)

अथवा

बैंक के शाखा प्रबन्धक के नाम एक आवेदन पत्र लिखिए, जिसमें किसी व्यवसाय को स्थापित करने हेतु ऋण की माँग की गई हो।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा शैली में निबंध लिखिए : (2 + 7 = 9)

i) पर्यावरण – संरक्षण

ii) आतंकवाद की समस्या और समाधान

iii) अन्तरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम।

iv) वृक्षारोपण एवं वन – संरक्षण

v) साहित्य और समाज

UPBoardHub